>

Title: Need to repair and construct roads under Prime Minister Gram Sadak Yojana (PMGSY) in Bihar.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): सभापति महोदय, देश में 1000 से अधिक आबादी वाले गांवों को 12 मासी पक्की सड़क से जोड़ने के लिए प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना का शुभारम्भ श्रीमान् अटल बिहारी वाजपेयी जी के समय में प्रारम्भ हुआ था। उस समय लगभग दो-ढाई लाख गांवों को पक्की सड़क से जोड़ने का निश्चय किया गया था। दस-ग्यारह साल गुजर गए, लेकिन अब तक हम एक-तिहाई तक भी नहीं पहुंच पाए हैं। अगर इसी रफ्तार से ये काम चलेगा तो लगता है कि 50 वर्ष में हम सभी 1000 से अधिक आबादी वाले गांवों को जोड़ पाएंगे, तब तक हमारी कई पीढ़ियां समाप्त हो जाएंगी, इस तरफ मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि इस पर काफी जोर दिया जाए।

प्रथम चरण में बनाई गई सड़कें सन् 2003 से अधूरी हैं। वे क्षतिग्रस्त हो गई, टूट गई, बिहार में बाढ़ में बर्बाद हो गई, लेकिन उसकी मरम्मती का कोई प्रावधान न रहने के कारण न उसमें पुल बनाए गए, न पुलिया बन सकती है और न ही दूसरा कोई विभाग कर सकता है। वे ज्यों की त्यों पड़ी हुई हैं। दो-दो, तीन-तीन करोड़ रुपए लगने के बाद भी वे सड़कें अधूरी हैं। इस तरफ सरकार का ध्यान जाना चाहिए। उनकी मरम्मती करके उन सड़कों को चालू करना चाहिए। हमारे यहां मधुबनी में भैरवा में सकरारी तक, कोकला चौक से बैंगरा कोठी तक, सलेमपुर मधवापुर में है, मैं खजरैनपाली से तरीया जाले दरभंगा, आपको कुछ उदाहरण दे रहा हूं। देश के अंदर ऐसी सैंकड़ो सड़कें इस स्थिति में होंगी, जो बंद पड़ी होंगी।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह भी कहना चाहूंगा कि बिहार में पांच एजेंसियों को इस काम में लगाया गया।

सभापति महोदय, उन्हें कहा गया कि आप इस काम को करिए। उन्होंने अपना एक कंसल्टेंट बहाल किया। जो कंसल्टेंट नियुक्त हुए, उन्हें न भूगोल का ज्ञान, न इतिहास का ज्ञान और न समाज का ज्ञान। उन्हें कुछ पता नहीं। उन्होंने जैसे-तैसे डी.पी.आर. बना दिया। इसके कारण गांवों के लोगों में काफी असंतोष है। गलत ढंग से सड़कें बन रही हैं, न गांव वालों को लाभ मिलता है और न गांव वालों तक वे सड़क जाती हैं। इस प्रकार मैं कहना चाहता हूं कि जो केन्द्रीय एजेंसी थी यानी जो कंसल्टेंट थे, उन्होंने ऐसा काम किया है। माननीय जोशी जी, पहले उस विभाग में थे। अब वे छोटी सड़कों से नैशनल हाइवे की सड़कों के मंत्री बन गए हैं। जहां वे गए हैं, वहां भी कुछ करने के लिए हम पत्र लिखते रहते हैं।

महोदय, मैं सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना पर संसद सदस्यों के साथ बैठकर पुनर्विचार किया जाए, उसमें सुधार किया जाए, मरम्मत का प्रावधान किया जाए और जो सड़कें अधूरी हैं, उन्हें पूरा किया जाए। बिहार की सड़कों के लिए बिहार सरकार जो 1 हजार करोड़ रुपए की मांग कर रही है और केन्द्र नहीं दे रहा है, उस पैसे का तत्काल प्रावधान करें, ताकि बिहार की वे सड़कें पूरी हो जाएं। हम लोगों ने वहां कांग्रेस सरकार को हराया है, तो दिल्ली की केन्द्र सरकार बिहार की जनता से उस हार का बदला न ले और उसे कष्ट न दे।

MR. CHAIRMAN :

Shri Ganesh Singh,

Shri Virender Kashyap,

Shri Ramesh Vishwanath Katii,

Shri Shivkumar Udasi,

Shri Arjun Ram Meghwal,

Shri Devji M. Patel,

Shri Maheshwar Hazari are associating with the issue raised by Shri Hukmadeo Narayan Yadav.